रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 104 इंदौर, बुधवार 16 अप्रैल 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

हरि के जन को मंदिर में

प्रवेश से रोका

सबरी के वंशज को राम के दर्शन से रोका

आदित्य शर्मा, 8224951278

सत्तर वर्षों बाद दलित परिवार ने किया मंदिर में प्रवेश

दलित नेता एवं राष्ट्रीय बलाई महासंघ के अध्यक्ष मनोज परमार द्वारा नव जोड़े को करवाए श्री राम के दर्शन एवं कहा कि हम भी हिंदू हे हम भी सनातनी हे इस रूढ़िवादी परंपरा एवं घटिया सोच को तोड़ना ही मेरा लक्ष्य हे एवं इसके लिए में निरंतर प्रयास करता रहूंगा कल अंबेडकर जयंती पर बेटमा के एक दलित नवविवाहित जोड़े को राम मंदिर दर्शन से रोका गया था दलित परिवार ने मंदिर के समीप ही पीर बाबा को ढोकं दें के परंपरा को आगे बढ़ाया।

जैसे ही यह विडियो वायरल हुईं तो इस मामले ने तूल पकड़ा आज दलित समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार आज पीड़ित परिवार के पास पहुंचे जहां उनके द्वारा फिर एक बार शादी की धूमधाम हुईं दुल्हा-दुल्हन परिवार सहित वह मंदिर पहुंचे और पुजारी से निवेदन किया कि हम भी सनातनी हिन्दू है फिर हम से भेदभाव क्यों दुल्हा-दुल्हन परिवार सहित राम भजन-कीर्तन करते हुए मंदिर पहुंचे विधीविधान से सभी रिती रिवाज को सम्पूर्ण किया वहीं मंदिर मे सभी ने हनुमान चलीसा का पाठ किया एक बार फिर ढ़ोल नगाड़े बज उठे जिस पर दुल्हा-दुल्हन परिवार सहित सभी लोग ठूमके लगा कर अपनी खुशी का इजहार करते नज़र आए दुल्हे अंकीत सोलंकी और परिवार ने दलित समाज राष्ट्रीय नेता मनोज परमार और सभी लोगों धन्यवाद कहा आप के कारण हम मंदिर के दर्शन कर सकें।

शराबबंदी पर बवाल

जीतू पटवारी ने उठाई शराब नीति पर आवाज

» उज्जैन

शराबबंदी को लेकर सियासी घमासान एक बार फिर गरमा गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उज्जैन के पास सड़क किनारे सैकड़ों लोगों को खुलेआम शराब पीते हुए कैमरे में कैद कर एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने मौके का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें दावा किया कि करीब 1500 लोग बिना किसी रोक-टोक के शराब पी रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां शराबबंदी नहीं, बल्कि जनता के साथ धोखा हो रहा है और यह सब सरकार की मिलीभगत से हो रहा है। पटवारी के अनुसार, यह शराब दुकान पिपलाई गांव के नाम पर पंजीकृत है, लेकिन असल में उज्जैन की सीमा खत्म होते ही आगर रोड पर अहमदनगर के पास चलाई जा रही है, जो गांव से करीब 12 किलोमीटर दूर है। इस मामले में पीसीसी चीफ ने सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि 80 रुपये का क्वार्टर 120 रुपये में बेचा जा रहा है। दुकान पर तो अलग रेट लिखे हैं, लेकिन ग्राहकों से ज्यादा पैसे वसूले जा रहे हैं। उन्होंने इसे खुलेआम लूट बताते हुए सरकार पर शराब माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया। पटवारी ने कहा कि यह सिर्फ दुकान की अवैधता का मामला नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक विफलता का उदाहरण है। जीतू पटवारी सोमवार को उज्जैन से राजस्थान जाते समय इस दुकान के पास रुके और खुद यह वीडियो रिकॉर्ड किया।

उधर, पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने भी इस मुद्दे को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर छह सिलसिलेवार पोस्ट करते हुए शराबबंदी पर सवाल उठाए। उमा ने लिखा, "क्या हम शराब वितरण नीति के प्रति लापरवाह हो गए हैं?" उन्होंने अपनी पिछली विरोध कार्रवाइयों की याद दिलाते हुए कहा कि "चौकीदार अभी जिंदा है" और यह भी लिखा कि "हाथ में पत्थर की जरूरत नहीं लगती, गाय के गोबर की चोट ज्यादा भारी पड़ती है।" उमा पहले भी शराब के खिलाफ अपने उग्र विरोध के लिए जानी जाती रही हैं। कभी भोपाल में शराब दुकान पर पत्थर फेंकना हो या निवाड़ी में शराब दुकान पर गोबर डालना, उन्होंने शराब नीति को लेकर हमेशा सरकार की जवाबदेही तय करने की कोशिश की है। इस बीच, उज्जैन में वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एसपी ने शहर की सीमाओं से लगे शराब दुकानों के कर्मचारियों को हिरासत में लेने और बांड ओवर की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने दो दर्जन से अधिक लोगों को पकड़कर समझाइश दी है कि यातायात में बाधा नहीं आए और कोई भी खुले में शराब न पिए। एसपी का कहना है कि शिकायत के आधार पर आबकारी विभाग को भी सूचित कर दिया गया है और 15 पुलिस अधिकारियों की टीम तैनात की गई है। उन्होंने आबकारी आयुक्त से बात कर साफ कर दिया है कि यदि ठेकेदार नियमों का पालन नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यह मामला अब राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बन गया है। जहां एक ओर विपक्ष सरकार की शराब नीति पर सवाल उठा रहा है, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती का विरोध एक बार फिर सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा कर रहा है। आने वाले समय में इस मुद्दे पर राजनीतिक तापमान और बढ़ सकता है, खासकर जब विधानसभा चुनाव की आहट तेज हो रही हो।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्यवाही, 45 बल्क लीटर विदेशी मदिरा जब्त - पेशेवर आरोपी गिरफ्तार

इंदौर- आशीष सिंह के आदेश एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में आबकारी विभाग इंदौर द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आबकारी वृत्त आंतरिक क्षेत्र 02 की टीम ने पंढरीनाथ थाना क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्यवाही करते हुए एक पेशेवर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान विजय पिता राजेंद्र सिंह राजावत (उम्र 28 वर्ष, निवासी रतलाम) के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से 45 बल्क लीटर (लगभग 60 बोतलें) उच्च मूल्य की विदेशी मदिरा जब्त की गई है, जिसमें "सिगनेचर" एवं "रॉयल चैलेंज" ब्रांड की शराब शामिल है।

जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत लगभग 90,000 रुपये बताई जा रही है। पकड़े गए आरोपी के पास मदिरा के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गए। आरोपी के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) क, का के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। गौरतलब है कि आरोपी विजय पूर्व में भी अवैध शराब के व्यापार में संलिप्त रहा है तथा उसके विरुद्ध रतलाम में भी प्रकरण दर्ज है। इस कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक श्रीमती प्रियंका शर्मा के नेतृत्व में आबकारी आरक्षक श्री सतेज, श्री मुकेश रावत, श्री सुरेश चौंगड़, श्री कमलेश निहोरे, श्री शैलेन्द्र जोशी एवं श्री राहुल जामोद की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आबकारी विभाग द्वारा ऐसे अवैध कार्यों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा आमजन से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना विभाग को तुरंत दें।

● यौन हिंसा मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा-

'जजों' को सावधान रहना चाहिए...

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा से जुड़े मामलों में जजों को अनुचित टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि जजों को सावधान रहना चाहिए और वे जमानत दे सकते हैं, लेकिन ऐसी टिप्पणियां क्यों करें। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक मामले के संबंध में अपने द्वारा शुरू किए गए एक स्वतः संज्ञान मामले में की है। सुप्रीम कोर्ट ने 26 मार्च को मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के विवादास्पद आदेश को पूरी तरह से असंवेदनशील बताया और कहा हम यह बताने में दर्द महसूस कर रहे हैं कि यह निर्णय संवेदनशीलता की कमी को दर्शाता है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां तब आई, जब वह इलाहाबाद हाई कोर्ट के 17 मार्च के अलग आदेश पर एक सू मोटू मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें हाई कोर्ट ने कहा था कि स्तनों को छूने और एक महिला के पजामा के ड्रॉस्ट्रिंग को खींचने को बलात्कार का प्रयास नहीं माना जा सकता।

महिला ने खुद परेशानी को आमंत्रित किया था अनुचित टिप्पणियों से बचें – सुनवाई के दौरान मंगलवार को बेंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा एक और हालिया अवलोकन के लिए अपवाद लिया कि महिला ने खुद परेशानी को आमंत्रित किया था और कथित बलात्कार के लिए जिम्मेदार थी।

चार हफ्ते बाद होगी अगली सुनवाई- जस्टिस गवई ने कहा, अगर कोई जमानत देना चाहता है तो यह ठीक है, लेकिन इस तरह की टिप्पणियां क्यों करें कि उसने परेशानी को आमंत्रित किया और वह सब। इससे सभी को सावधान रहना चाहिए। इसके बाद सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पूछा कि कैसे एक आम आदमी मान सकता है कि इस तरह की टिप्पणियों को ध्यान में रखना आवश्यक था। बेंच ने चार सप्ताह के लिए सू मोटू मामले में सुनवाई को स्थगित कर दिया।

हॉस्पिटल से बच्चा चोरी हुआ तो लाइसेंस रद्द, सभी राज्य नवजात तस्करी के मामले 6 महीने में निपटाएं- सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नवजात शिशु तस्करी के एक मामले में यूपी सरकार फटकार लगाई और राज्यों के लिए कुछ जरूरी नियम जारी किए। कोर्ट ने कहा- अगर किसी हॉस्पिटल से नवजात की तस्करी होती है तो उसका लाइसेंस तुरंत रद्द किया जाए। डिलीवरी के बाद बच्चा गायब होता है तो हॉस्पिटल की जवाबदेही होगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा- देशभर के सभी हाईकोर्ट अपने राज्यों में बच्चों की तस्करी से जुड़े लंबित मामलों की स्टेट्स रिपोर्ट मंगवाएं।

अमरनाथ यात्रा- रजिस्ट्रेशन शुरू

श्रीनगर (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा-2025 के लिए रजिस्ट्रेशन आज (15 अप्रैल) से शुरू हो गए हैं। श्रद्धालु ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन फीस 220 रुपए रखी गई है। ऑफलाइन

रजिस्ट्रेशन 600 से ज्यादा बैंकों में किया जा सकता है। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त (रक्षाबंधन) तक (39 दिन) चलेगी। यात्रा दो रूट- पहलगाम (अनंतनाग) और बालटाल (गांदरबल) से होगी। लगभग 6 लाख श्रद्धालु यात्रा पर आ सकते हैं।

संसद में बदले समीकरण, यूसीसी पर आगे बढ़ी मोदी सरकार

● विपक्षी दलों का वक्फ बिल पर समर्थन, अब यूनिफॉर्म सिविल कोड पर तेजी दिखाएगा केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ कानून के बाद अब यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) अब केंद्र सरकार के टॉप एजेंडे में है। सूत्रों के मुताबिक संसद के दोनों सदनों में वक्फ बिल को मिले समर्थन को देखते हुए सरकार ने यूसीसी पर काम आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

दरअसल, लोकसभा चुनाव में भाजपा बहुमत से पीछे रह गई। बहुमत के लिए वह जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) पर निर्भर है। संसद के अंकगणित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने विवादित मुद्दे किनारे रखने की रणनीति अपनाई थी। हालांकि, वक्फ बिल को जेडीयी और टीडीपी के अलावा बायएसआरसीपी और बीजेडी जैसे दलों का भी समर्थन मिला था। इसके बाद सरकार यूसीसी पर आगे बढ़ने का मन बना चुकी है। इसके अलावा तमिलनाडु में एआईएडीएमके को साथ लेने के बाद भाजपा परिसीमन और भाषा जैसे मुद्दों को किनारे लगाना चाहती है। तमिलनाडु में अगले साल चुनाव हैं। इन मुद्दों से डीएमके को फायदा हो सकता है।

मोदी बोले- मैं यूसीसी को सेक्युलर सिविल कोड कहता हूं- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अप्रैल को हरियाणा में कहा- जब-जब कांग्रेस को सत्ता का संकट दिखा, उन्होंने संविधान को कुचल दिया।

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य अतीत के स्वर्णिम पृष्ठ का प्रकटीकरण : सीएम डॉ. यादव

कार्यक्रम में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया, रेखा गुप्ता और डॉ. मोहन यादव

भोपाल/दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश की राजधानी में लाल किले की प्राचीर पर ऐतिहासिक महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन उस युग को जीवंत करने का प्रयास है। यह विश्व में भारत द्वारा सुशासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था को स्थापित करने की दिशा में कारगर रहेगा।

फिल्मों के निर्माण और डिजिटल युग के बावजूद प्राचीन नाट्य परम्परा से परिचित करवाने वाले इस महानाट्य के अंश अविस्मरणीय रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को नई दिल्ली में तीन दिवसीय महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के मंचन के

समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में महानाट्य के कलाकारों का सम्मान भी किया गया। इसमें अनेक जनप्रतिनिधि, धर्म और आध्यात्म क्षेत्र की हस्तियां और बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित थे।

विरासत से विकास के मंत्र पर हो रहा है कार्य- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विरासत के संरक्षण के साथ विकास का मंत्र दिया है। वास्तव में वर्तमान काल अदभुत है। प्रधानमंत्री मोदी स्वयं को प्रधान सेवक मानते हैं। आज भारत की गरिमा विश्व में निरंतर बढ़ रही है। एक समय था जब सम्राट विक्रमादित्य ने न्याय, वीरता और सुशासन के महत्व को स्थापित किया।

पूर्व मंत्री प्रताप सिंह के घर ईडी की रेड, आक्रोशित समर्थकों का प्रदर्शन

जयपुर (एजेंसी)। राजधानी जयपुर में कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के घर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पहुंची है। ईडी की टीम फिलहाल सर्च की कार्रवाई में जुटी है।

प्रताप सिंह के घर के बाहर सुरक्षा बलों के जवान तैनात हैं। इस कार्रवाई की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में प्रताप सिंह खाचरियावास के समर्थक और कांग्रेस कार्यकर्ता मौके पर इकठ्ठा हो गए और केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे.। कार्यकर्ताओं ने ईडी पर बिना नोटिस कार्रवाई करने का आरोप लगाया है. उन्होंने चेतावनी दी कि मनमाने तरीके से कार्रवाई की गई तो विरोध प्रदर्शन तेज किया जाएगा।

एम्स ऋषिकेश दीक्षांत समारोह में जेपी नड्डा ने कहा-

देश के प्रत्येक गरीब व्यक्ति को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना केंद्र सरकार की प्राथमिकता

ऋषिकेश (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एम्स ऋषिकेश में आयोजित पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल होकर 434 मेडिकल छात्रों को अपने हाथों से उपाधि दी। जिसके तहत 14 मेडिकल छात्रों को गोल्ड, एक छात्रा को सिल्वर और एक छात्रा को कांस्य पदक से नवाजा. इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक गरीब व्यक्ति को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। एम्स ऋषिकेश के 434 मेडिकल छात्रों को दी गई उपाधिः एम्स यानी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश में 5वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। जिसके तहत 434 मेडिकल छात्रों उपाधियां दी गई।

रेल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ीं...

● गोरखपुर में मेगा ब्लॉक, 100 से अधिक ट्रेनें रद्द या डायवर्ट की गईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहले से ही टिकट की समस्या से जूझ रहे ट्रेल यात्रियों को अब और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। 3 मई तक गोरखपुर रेलवे खंड पर मेगा ट्रैफिक ब्लॉक के कारण 100 से अधिक ट्रेनें या तो रद्द रहेंगी या उनके रूट में बदलाव किया जाएगा। गर्मी के मौसम में भीड़भाड़ के कारण कोई विकल्प न होने पर रेल यात्रियों को या तो अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ती है या फिर अंतिम समय में रेलगाड़ियां रद्द होने के कारण यात्रा के लिए अन्य विकल्प तलाशना पड़ता है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार 12 से 26 अप्रैल तक प्री-नॉन इंटरलॉक कार्य और 27 अप्रैल से 3 मई तक नॉन इंटरलॉक कार्य के कारण गोरखपुर मंडल में कुछ रेल लाइनें बाधित रहेंगी, जिसके कारण ट्रेनों का कैंसिलेशन, रूट में बदलाव, शॉर्ट टर्मिनेशन, शॉर्ट ओरिजिनेशन और री-शेड्यूलिंग की जाएगी. विकास कार्यों का निरीक्षण 3 मई को रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा किया जाएगा। रेलवे के अनुसार, प्री-नॉन इंटरलॉक और नॉन-इंटरलॉक कार्य के कारण 110 से अधिक ट्रेनें रद्द, डायवर्ट और शॉर्ट टर्मिनेशन के कारण प्रभावित होंगी।

ये ट्रेनें रद्द रहेंगी

इनमें गोरखपुर-दिल्ली स्पेशल ट्रेन, गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन, सहरसा-आनंद विहार, रजौल-आनंद विहार, छपरा-नौतनवा-छपरा एक्सप्रेस, गोमती नगर-गोरखपुर, गोरखपुर-गोंडा पैसेंजर ट्रेन, गोंडा-सीतापुर सिटी पैसेंजर ट्रेन, लखनऊ जंक्शन-पाटलिपुत्र-लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस और कई अन्य ट्रेनें शामिल हैं।

पाकिस्तान और बांग्लादेश की तर्ज पर मध्य प्रदेश के सतना में लगे 'बायकॉट इजरायल प्रोडक्ट' के पोस्टर

● एसडीएम बोले- पोस्टर का मामला संज्ञान में आया ● पुलिस अधीक्षक बोले- क्षेत्र में ऐसा कुछ नहीं हुआ

सतना (एजेंसी)। पाकिस्तान और बांग्लादेश में इजरायल की कंपनियों से जुड़े सामानों के बहिष्कार के बाद अब सतना में 'बायकाट इजरायल प्रोडक्ट' के पोस्टर लगने से हड़कंप मच गया। सुबह सतना शहर के वार्ड क्रमांक 36 स्थित नजीराबाद क्षेत्र के कई घरों के बाहर दीवारों पर यह पोस्टर लगे नजर आए।

मामले में एसडीएम राहुल सिलाड़िया का कहना है कि पोस्टर लगाने का मामला जानकारी में आया है। जांच के निर्देश दिए गए हैं। वहीं पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के अनुसार पोस्टर लगाने जैसा मामला अब तक संज्ञान में नहीं आया है।

पूरी बस्ती में पोस्टर लग गए किसी को भनक तक नहीं

जानकारी के अनुसार देर रात अज्ञात लोगों ने बस्ती क्षेत्र में यह पोस्टर चिपकाए हैं। क्षेत्रीय लोग इन पोस्टरों को लेकर अनभिज्ञ नजर आए। कहा कि रातों-रात शहर में पोस्टरों को कौन लगा गया है?

रणजीत टाइम्स
इंदौर, बुधवार 16 अप्रैल 2025
03
DIGITAL EDITION

पीसीसी चीफ और प्रदेश प्रभारी बुंदेलखंड दौरे पर, कार्यकर्ताओं से करेंगे सीधा संवाद, संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में कदम

मप्र। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी 16 अप्रैल से 20 अप्रैल तक बुंदेलखंड और मालवा के जिलों का दौरा करेंगे। यह दौरा विशेष रूप से पार्टी की रणनीति को जमीनी स्तर पर लागू करने और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इन नेताओं का मुख्य उद्देश्य अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन के बाद पार्टी के भीतर संगठनात्मक मजबूती और चुनावी रणनीतियों पर कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करना है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह दौरा दिल्ली में मध्यप्रदेश कांग्रेस जिला अध्यक्षों की बैठक और अहमदाबाद अधिवेशन के बाद तय किया गया है, जिसका उद्देश्य पार्टी के कार्यकर्ताओं को एकजुट करना और आगामी चुनावों की रणनीति को स्पष्ट करना है। हरीश चौधरी और जीतू पटवारी इस दौरान मध्यप्रदेश के निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और सागर जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरे के तहत, वे तीन स्थानों पर रात्रि विश्राम भी करेंगे, जिससे वे क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के बीच अपनी उपस्थिति और संवाद स्थापित कर सकें। यह दौरा न केवल चुनावी दृष्टिकोण से बल्कि संगठन की मजबूती के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। आखिरकार, यह दौरा प्रदेश में पार्टी के भीतर बदलाव की प्रक्रिया का हिस्सा भी है। पार्टी में जल्द ही प्रदेश, जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर बदलाव किए जाने हैं। इस प्रक्रिया में 10 महीने पहले फैक्ट फाइंडिंग कमेटी द्वारा दिए गए फीडबैक को ध्यान में रखते हुए पार्टी में कई बदलाव किए जाएंगे। फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने यह सुझाव दिया था कि पार्टी को वृद्ध नेताओं के बजाय युवाओं और महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व देना चाहिए ताकि पार्टी को नई ऊर्जा और नेतृत्व मिल सके। हालांकि इस बदलाव की प्रक्रिया में कोई बड़ा कदम अब तक नहीं उठाया गया था, लेकिन अब पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी इस बदलाव की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। उनकी योजना है कि वे प्रदेशभर में तेज-तर्रार नेताओं की सूची तैयार करें, जो पार्टी के आगामी चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। इसके अलावा, इस दौरे के माध्यम से वे पार्टी के भीतर नए नेताओं को अवसर देने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे, विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं को मौका दिया जाएगा, जो पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी कदम है। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य सिर्फ संगठन को मजबूत करना नहीं है, बल्कि कांग्रेस की आगामी योजनाओं और चुनावी तैयारियों के संदर्भ में कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करना और उनकी राय प्राप्त करना भी है। हरीश चौधरी और जीतू पटवारी का यह दौरा कांग्रेस पार्टी के लिए आगामी चुनावों में अपनी स्थिति मजबूत करने और पार्टी के भीतर एकता बनाए रखने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच इस प्रकार का संवाद आगामी चुनावों की दिशा तय करने में सहायक साबित हो सकता है।

इंसानियत को शर्मसार करने वाला सड़क हादसा, घायल युवक की मदद न मिलने से हुई दर्दनाक मौत, समाज पर गहरा सवाल

नरसिंहपुर। जिले में हुए एक सड़क हादसे ने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। यह घटना गाडरवारा थाना क्षेत्र के शासकीय महाविद्यालय के पास हुई, जहां एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवक बुरी तरह घायल हो गया और सड़क पर खून से लथपथ होकर मदद के लिए चीखता रहा। लेकिन सबसे दुखद पहलू यह था कि मदद की गुहार लगाने के बावजूद भी राह चलते लोगों ने उसे अनदेखा किया और उसकी मदद नहीं की। इस प्रकार, घायल युवक ने वहीं दर्द से तड़पते हुए दम तोड़ दिया। यह हादसा उस समय हुआ, जब युवक एक बाइक पर सवार था और ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उसे टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद युवक का आधा शरीर कट गया और वह सड़क पर लहूलुहान हो गया। घटना के दौरान वह करीब आधे घंटे तक लोगों से मदद की अपील करता रहा, लेकिन किसी ने भी उसकी मदद नहीं की। घबराया हुआ युवक दर्द से चिल्लाते हुए इधर-उधर देखता रहा, लेकिन मदद के लिए कोई भी आगे नहीं आया। इसी दौरान ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया और वह हादसे के बाद बच निकलने में कामयाब हो गया।

घटनास्थल पर पुलिस ने पहुंचकर घायल युवक को अस्पताल भेजा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा शाम सात बजे के करीब हुआ था, और यह बेहद ही दर्दनाक था। घटना के बाद पुलिस ने लोगों से अपील की कि अगर कभी किसी को सड़क हादसा होता है, तो तुरंत उसकी मदद करें। पुलिस ने यह भी बताया कि मदद करने वाले व्यक्ति का नाम और पहचान गुप्त रखी जाएगी, ताकि घायलों की जान बचाई जा सके। इस हादसे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जो लोगों के दिलों को झकझोर रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक सड़क पर खून से सना हुआ पड़ा हुआ है, और उसके शरीर में भीषण चोटें आई हैं। वह मदद के लिए आवाज लगा रहा है, लेकिन आसपास के लोग उसे अनदेखा कर अपने रास्ते पर चले जा रहे हैं। यह वीडियो आज समाज में एक बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है कि क्या इंसानियत अब इतनी कमजोर हो गई है कि लोग एक दूसरे की मदद करने से पीछे हटने लगे हैं?

इस दर्दनाक घटना ने एक गंभीर सवाल उठाया है कि आज के समाज में हम एक दूसरे के प्रति कितने संवेदनशील और जिम्मेदार हैं। क्या हम अपनी मानवता को भूल चुके हैं? पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर चालक की तलाश शुरू कर दी है, लेकिन यह घटना यह भी दर्शाती है कि किसी भी दुर्घटना के दौरान सबसे जरूरी चीज है ङ्क इंसानियत और सहायता। पुलिस ने यह अपील भी की है कि अगर किसी को हादसे में मदद की जरूरत हो तो उसे नजरअंदाज न करें, क्योंकि शायद आपकी एक छोटी सी मदद किसी की जान बचा सकती है, यह घटना समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता और मदद न करने की प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल उठाती है। हम सबको यह समझने की जरूरत है कि हम इंसान हैं और हमें अपने आसपास के लोगों की मदद करनी चाहिए, ताकि इस तरह की घटनाएं भविष्य में न हों।

भाजपा राज में दलितों पर अत्याचार चरम पर, मुरैना गोलीकांड इसका ताजा प्रमाण - जीतू पटवारी

भोपाल। मुरैना जिले के हिंगोना गांव में बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर निकाले जा रहे शांतिपूर्ण जुलूस के दौरान डीजे बजाने को लेकर हुए विवाद में प्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना के समर्थकों द्वारा एक दलित युवक संजय सेमिल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के पिता चिम्बन सिंह ने साफ तौर पर मंत्री समर्थकों को दोषी बताया है। इस हमले में रानू दौनेरिया नामक एक अन्य दलित युवक को भी गोली लगी और एक तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। ये गंभीर आरोप तब सामने आए जब मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मृतक दलित संजय के पिता श्री चिम्बन सिंह जी से वीडियो कॉल पर बात की।पटवारी ने इस अमानवीय घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे भाजपा सरकार की दलित विरोधी मानसिकता का जीता-जागता प्रमाण बताया है। उन्होंने कहा कि यह कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि भाजपा शासन में दलितों पर हो रहे सिलसिलेवार अत्याचारों की खतरनाक प्रवृत्ति का हिस्सा है।

देशभर में दलितों पर बढ़ते अत्याचार, तथ्यों के आईने में भाजपा की असलियत

पटवारी ने अपने आरोपों का आधार बनाने के लिए केंद्र सरकार के आधिकारिक आंकड़ों का भी उल्लेख किया और कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (छब्त्ठ) की रिपोर्ट (2022) के अनुसार है -

1. राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र, ये पांच राज्य, जहां भाजपा या उसके सहयोगी दल सत्ता में रहे, सबसे अधिक अपराध दर्ज हुए। मध्यप्रदेश दलितों के खिलाफ अत्याचार में तीसरे नंबर पर है। वर्ष 2022 में अजा समुदाय पर अत्याचार के 3,876 मामले दर्ज किए गए।

2. अजा समुदाय के खिलाफ अपराधों में 4.2 प्रतिषत की बढ़ोतरी हुई है।

3. हर रोज़ भारत में औसतन 58 दलितों पर अपराध दर्ज होते हैं। लेकिन मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार हाथ पैर हाथ धरे बैठी है!

4. 2021 में मध्यप्रदेश के सागर ज़िले में एक दलित युवक रोहित की हत्या सिर्फ इस वजह से कर दी गई थी कि उसने ÷ऊंची जाति÷ के लोगों के सामने बैठने की हिम्मत की।

5. 2023 में छतरपुर जिले में एक दलित छात्र को स्कूल में पीटा गया क्योंकि उसने 'ऊंची जाति' के छात्रों के साथ भोजन कर लिया था।

6. राजस्थान में कांग्रेस के दलित नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के मंदिर जाने के बाद भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा द्वारा मंदिर को शुद्ध करने की घटना ने भी भाजपा की दलित विरोधी सोच को उजागर किया।

बेटमा की घटना-मंदिर में दलितों के प्रवेश पर रोक

पटवारी ने कहा कि डॉ अंबेडकर नगर (महू) के समीप बेटमा में बीते सोमवार एक दलित दूल्हे और उसके बारातियों को श्रीराम मंदिर में प्रवेश करने से रोका गया। मंदिर प्रबंधन और स्थानीय लोगों ने बार-बार विनती के बावजूद मंदिर प्रवेश से रोका गया और अपमानजनक व्यवहार किया। यह घटना बाबासाहेब की जन्मस्थली के नज़दीक ही हुई, यह केवल संयोग नहीं, भाजपा राज में दलित विरोधी मानसिकता का सुनियोजित विस्तार है।

दलित, अंबेडकर और संविधान पर भाजपा की घृणा क्यों?

कांग्रेस प्रदेश प्रमुख ने कहा कि हर बार दलित उत्पीड़न की घटनाओं में भाजपा नेताओं और उनके समर्थकों का नाम सामने आना यह दर्शाता है कि यह केवल सामाजिक दुर्भावना नहीं, बल्कि सत्ता संरक्षित हिंसा है। भाजपा के नेता समय-समय पर आरक्षण, बाबासाहेब अंबेडकर और संविधान विरोधी बयान देते हैं, यही उनकी विचारधारा का मूल है।

प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं?

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख ने केंद्र सरकार से भी सवाल किया और पूछा कि, ष्सबका साथ, सबका विकासष् की दुहाई देने वाले प्रधानमंत्री जी देश और मध्य प्रदेश में लगातार हो रही दलित उत्पीड़न की घटनाओं पर चुप क्यों हैं? क्यों देश में दलितों से नफ़रत भाजपा की फितरत बन गई है? सवाल यह भी है कि मप्र के साथ पूरे देश में, हर बार दलित उत्पीड़न और हत्या में बीजीपी से जुड़े नेता और मंत्रियों के करीबी ही क्यों शामिल होते हैं?

श्री एकेडमी में वार्षिकोत्सव अनंत संस्कृति के साथ पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम संपन्न

ग्राम कोदरिया स्थित विद्यालय श्री एकेडमी में वर्ष2024 - 25 के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रौढ़ शिक्षासंघ दिल्ली के महासचिव सुरेश खंडेलवाल, कमलेश मिश्रा, विजय विजयवर्गीय, विद्यालय कीप्राचार्या हेमलता पाटीदार, मिश्रीलाल सुले, उमा सुले, डायरेक्टर राजेश पाटीदार आदिअतिथियों का स्कूल स्काउट बैंड से स्वागत किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम अध्यक्षसुरेश खंडेलवाल एवं अन्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती का दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पितकर पूजन किया। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ प्राथमिक विभाग के बच्चों के स्वर तैयार गणेशवंदना एवं सरस्वती वंदना से हुआ। विद्यार्थियों ने विशेष प्रस्तुति के तौर पर शिव तांडव,देश की बेटी, शारीरिक कला प्रदर्शन, योग नृत्य, चार युगों का मिलन, कुश्ती दंगल, सोशलमीडिया से बचाव जैसी अनेक मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सभी अतिथियों एवं पालकों का मनमोह लिया। सांसद डॉ. कविता पाटीदार का विद्यालय समिति एवं ग्राम कोदरियाके नागरिकों द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने, महू से पहली राज्यसभा सांसद बनने,दूरगामी अनेक ट्रेनों का संचालन महू से शुरू करवाने के लिए सम्मान किया गया। सुश्रीकविता पाटीदार ने विद्यार्थियों के लिए शीतल जल के उपकरण को अपने पिताजी पूर्व विधायकएवं विधानसभा उपाध्यक्ष स्वर्गीय भेरूलाल पाटीदार की स्मृति में विद्यालय को प्रदानकिया। इसी प्रकार सुश्री उषा ठाकुर का विद्यालय प्राचार्या हेमलता पाटीदार एवं डायरेक्टरराजेश पाटीदार के द्वारा महू विधानसभा के 253 शासकीय विद्यालय के नाम देश के वीर सेनानियोंके नाम से प्रस्तावित करने के लिए सम्मानित किया गया। सुश्री उषा ठाकुर के द्वारा विद्यालयप्राचार्या हेमलता पाटीदार को 253 सेनानियों की जीवन चरित्र की संकलन पुस्तिका उपहारस्वरूप भेंट की।

ट्रांस-शिपमेंट सुविधा रद्द करने से बांग्लादेश को लगेगा झटका

भारत के ट्रांस-शिपमेंट सुविधा रद्द करने से बांग्लादेश, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा परिधान निर्यातक देश है. लगभग 45 बिलियन डॉलर का रेडीमेड गारमेंट उद्योग है. बांग्लादेश के रेडीमेड गारमेंट उद्योग को भारत द्वारा ट्रांस-शिपमेंट सुविधा वापस लेने के बाद एक बड़ा लॉजिस्टिक झटका लगा है. इस सुविधा के तहत बांग्लादेश के सामान को भारतीय क्षेत्र से होकर अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक भेजा जाता था. यह सुविधा, नेपाल, भूटान और अन्य जगहों पर तेजी से निर्यात के लिए महत्वपूर्ण थी. जिसे इस सप्ताह बंद कर दी गई. इससे निर्यातकों को शिपमेंट के नए रास्ते तलाशने और बढ़ती लागत का सामना करना पड़ रहा है. वैश्विक खरीदार समय पर डिलीवरी और सस्ती कीमत चाहते हैं, इसलिए बांग्लादेश के कपड़ा निर्माता ऑर्डर खोने और मुनाफा कम होने की चिंता जता रहे हैं.

अरुणिम भुयान

इस सप्ताह एक प्रेस ब्रीफिंग में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि बांग्लादेश को दी गई ट्रांस-शिपमेंट सुविधा से भारत के हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर भीड़भाड़ बढ़ गई थी. उन्होंने कहा, इससे देरी हो रही थी और लागत बढ़ रही थी, जिससे हमारे अपने निर्यात प्रभावित हो रहे थे. इसलिए 8 अप्रैल, 2025 से यह सुविधा वापस ले ली गई है. उन्होंने यह भी कहा कि इसका बांग्लादेश के नेपाल और भूटान को होने वाले निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ेगा. लेकिन हकीकत यह है कि पेट्रापोल सीमा पर चार बांग्लादेशी ट्रकों को, जो रेडीमेड कपड़ों से लदे थे, भारत में प्रवेश से रोक दिया गया. क्योंकि भारत ने ट्रांस-शिपमेंट सुविधा रद्द कर दी थी. इन ट्रकों को बेनापोल सीमा से ढाका वापस भेज दिया गया। भारत ने 29 जून, 2020 को एक आदेश के माध्यम से ट्रांसशिपमेंट सुविधा शुरू की थी. जिससे बांग्लादेशी माल को भारतीय क्षेत्र का उपयोग करके तीसरे देशों में ले जाया जा सकता था. जनवरी 2024 से मार्च 2025 तक, 15 महीनों की अवधि में, बांग्लादेश ने भारतीय सड़क पारगमन का उपयोग करके 36 देशों को लगभग 462 मिलियन डॉलर मूल्य के वस्त्र निर्यात किए थे. हालांकि, भारतीय केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 8 अप्रैल को आदेश रद्द कर दिया, जिससे ऐसे शिपमेंट रुक गए. निरस्तीकरण ने स्थापित व्यापार मार्गों को बाधित कर दिया है, जिससे बांग्लादेशी निर्यातकों को वैकल्पिक मार्गों की तलाश करने के लिए मजबूर होना पड़ा है. निर्यातकों को अब उच्च हवाई माल भाड़े और लंबे पारगमन समय का सामना करना पड़ रहा है. जिससे वैश्विक बाजार में उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो रही है. भारत के अचानक उठाए गए कदम से बांग्लादेश से मध्य पूर्व और पश्चिमी बाजारों में तत्काल निर्यात के लिए प्रमुख पारगमन विकल्पों में से एक अवरुद्ध हो गया है. बांग्लादेशी समाचार पोर्टल ने बताया कि, हालांकि कुल निर्यात मात्रा पर तत्काल प्रभाव सीमित हो सकता है, लेकिन निर्यातकों का कहना है कि प्रतिबंध से डिलीवरी विकल्पों में लचीलापन कम हो जाता है और बांग्लादेश की निर्यात क्षमता कम हो सकती है. रिपोर्ट में एक निर्यातक के हवाले से कहा गया है कि, इसके लिए हमारी सरकार से कूटनीतिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है. भारतीय बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक पहुंच रोक देने के कारण बांग्लादेश के अपने लॉजिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव बढ़ गया है. स्थानीय हवाई अड्डों पर कई महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि उच्च कार्गो हैंडलिंग शुल्क और अपर्याप्त सुविधाएं इत्यादि.

बांग्लादेश के साथ ट्रांस-शिपमेंट समझौते को रद्द करने का भारत का निर्णय, इस महीने की शुरुआत में बैंकॉक में बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के साथ हुई बैठक के तुरंत बाद आया है. यह निरस्तीकरण अमेरिका द्वारा बांग्लादेशी निर्यात पर 37 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लागू करने के साथ मेल खाता है. हालांकि 90 दिनों के लिए रोक दिया गया है, जिससे इस क्षेत्र पर और अधिक दबाव पड़ रहा है.विशेषज्ञ भारत के इस कदम के बारे में गलतफहमियां देख रहे हैं. वे इसे चीन के साथ बांग्लादेश

की बढ़ती भागीदारी के प्रति नई दिल्ली की प्रतिक्रिया के रूप में देखते हैं, जिसमें भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के रणनीतिक महत्व और इस क्षेत्र के लिए समुद्र के प्रवेश द्वार के रूप में बांग्लादेश की भूमिका के बारे में यूनुस की टिप्पणियां शामिल हैं. बैंकॉक में यूनुस के साथ अपनी बैठक के दौरान मोदी ने एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के प्रति भारत का समर्थन दोहराया था.

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में यूनुस बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन से पहले चीन की अपनी यात्रा के दौरान एक आर्थिक शिखर सम्मेलन के दौरान यह कहते हुए दिखाई दिए कि भारत के सात राज्य, भारत का पूर्वी भाग, सात बहनें कहलाते हैं.वे भारत के एक भू-आबद्ध (लैंड लॉक) क्षेत्र हैं. उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है. उन्होंने बांग्लादेश को भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए महासागर का संरक्षक बताया. इस पर भारत में राजनीतिक दलों से ऊपर उठकर गुस्सा भड़क उठा. विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मोदी-यूनुस की बैठक के बाद बैंकॉक में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, उन्होंने (मोदी) इस बात पर जोर दिया कि भारत संबंधों में लोगों पर केंद्रित दृष्टिकोण में विश्वास करता है और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रहे सहयोग पर प्रकाश डाला, जिससे दोनों देशों के लोगों को ठोस लाभ मिला है. और, इसी भावना के साथ, उन्होंने एक बार फिर प्रोफेसर यूनुस को व्यावहारिकता की भावना के आधार पर बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की भारत की इच्छा को रेखांकित किया. अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति पैदा हो गई. हसीना को सत्ता से हटाया जाना छात्रों की क्रांति के बाद हुआ, जो उनके शासन की सत्तावादी शैली के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह में बदल गई. उनका डेढ़ दशक लंबा शासन अचानक समाप्त हो गया, जिससे एक राजनीतिक शून्य पैदा हो गया जिसने मौजूदा विभाजन को और बढ़ा दिया और नियंत्रण के लिए संघर्ष को जन्म दिया. हसीना के सत्ता से बाहर होने के तुरंत बाद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ. हसीना के भारत में शरण लेने के बाद से ही दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं, जबकि पिछले साल दिसंबर में विदेश सचिव मिसरी ने संरचित विदेश कार्यालय परामर्श के लिए ढाका का दौरा किया था.इस बीच, बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने हसीना और उनके कई सहयोगियों के प्रत्यर्पण का आदेश दिया है, जो अगस्त में हुए उथल-पुथल के बाद देश छोड़कर भाग गए थे. हसीना के निष्कासन के बाद बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों का उदय हुआ, जिसके कारण धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदुओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा हुई. भारत लगातार इन घटनाक्रमों पर अपनी चिंता व्यक्त करता रहा है.

पिछले साल अगस्त में सत्ता संभालने के बाद यूनुस ने भारत विरोधी कई बातें कीं. हालांकि, पिछले महीने एक ब्रिटिश मीडिया आउटलेट को दिए इंटरव्यू में यूनुस ने आश्चर्यजनक रूप से पलटवार करते हुए कहा कि बांग्लादेश के लिए भारत के साथ अच्छे संबंधों के अलावा कोई विकल्प नहीं है. यूनुस ने दावा किया कि भारत के साथ बांग्लादेश के संबंध बहुत अच्छे हैं और हमारे संबंध हमेशा बहुत अच्छे रहेंगे. 26 मार्च को बांग्लादेश के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पीएम मोदी ने यूनुस और भारत के पूर्वी पड़ोसी देश के लोगों को अपनी शुभकामनाएं दीं. इसके बाद, मोदी ने ईद-उल-फितर के त्योहार से पहले यूनुस को अपनी शुभकामनाएं दीं. प्रधानमंत्री ने दुनिया के लिए शांति, सद्भाव, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की, साथ ही भारत और बांग्लादेश के बीच दोस्ती को और मजबूत बनाने की उम्मीद जताई. हालांकि, चीन में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के बारे में यूनुस की टिप्पणी से नई दिल्ली में नाराजगी है. इस बीच, बांग्लादेश के आरएमजी और कपड़ा निर्यात पर एक शीर्ष कोरियाई विशेषज्ञ ने चेतावनी दी है कि भारत के पूर्वी पड़ोसी को चीन के बाद दुनिया के दूसरे सबसे बड़े परिधान निर्यातक के रूप में अपनी स्थिति खोने का खतरा है, क्योंकि वियतनाम सस्ता, अधिक विविध उत्पादों और सुचारू व्यापार प्रक्रियाओं के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है. डेली स्टार ने बांग्लादेश के आरएमजी और टेक्सटाइल सेक्टर में अग्रणी यंगोन कॉरपोरेशन के चेयरमैन किहाक सुंग के हवाले से कहा, बांग्लादेश वियतनाम के बहुत करीब है. उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में ढाका में आयोजित बांग्लादेश निवेश शिखर सम्मेलन 2025 के दौरान यह बात कहीं. लेकिन अगर हम अपने कारोबार में आगे नहीं बढ़ते हैं, तो हम दूसरे स्थान पर रहने का गौरव खो सकते हैं. मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान के एसोसिएट फेलो आनंद कुमार के अनुसार, भारत ने बांग्लादेश को यह सुविधा तब दी थी, जब दोनों देशों के बीच संबंध अच्छे थे. कुमार ने कहा, इस निरस्तीकरण के पीछे दो संभावनाएं हो सकती हैं. एक तो यह कि सीमा पर तैनात अधिकारी ताजा आदेश से भ्रमित हो गए होंगे. दूसरी संभावना यह है कि बांग्लादेश पहले नेपाल और भूटान भेजकर ऐसे सामान को दूसरे देशों में निर्यात करने की कोशिश कर रहा होगा.

बेटमा से बदली सोच की दिशा

समाज में जब कोई नई सोच जन्म लेती है, तो वह न सिर्फ दिलों को छूती है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन जाती है। कुछ ऐसा ही दृश्य बेटमा के एक निजी गार्डन में देखने को मिला, जहाँ सांसद प्रतिनिधि नीलेश उपाध्याय ने अपनी बेटी डॉ. पूजा उपाध्याय के विवाह समारोह को एक ऐतिहासिक और सामाजिक चेतना के मंच में बदल दिया।

यह आयोजन केवल एक पारंपरिक विवाह समारोह नहीं रहा, बल्कि सामाजिक सम्मान, संवेदना और इंसानियत की नई मिसाल बन गया। इस विवाह कार्यक्रम में 'श्रमेण जयते' की भावना को जीवंत करते हुए श्रमिकों का सार्वजनिक रूप से सम्मान किया गया। इन श्रमिकों में कैटरिंग स्टाफ, भोजन बनाने वाले रसोइये, टेंट कर्मी, सफाईकर्मी और आयोजन स्थल पर दिन-रात मेहनत करने वाले मजदूर शामिल थे। समाज में यह पहली बार देखने को मिला कि जिन लोगों की मेहनत पर आयोजन की भव्यता टिकी होती है, उन्हें सिर्फ पारिश्रमिक नहीं, बल्कि सामाजिक मान्यता और सम्मान भी मिला। यह एक नजीर है, जिसे पूरे इंदौर जिले में पहले कभी किसी विवाह समारोह में नहीं देखा गया। यहाँ तक कि यह मध्य प्रदेश में भी एक अपवाद बन गया है, जो अब एक बदलाव की शुरुआत बन सकता है। सांसद प्रतिनिधि नीलेश उपाध्याय ने इस अवसर पर मंच से जो शब्द कहे, वे सिर्फ एक समारोह की शोभा नहीं थे, बल्कि एक समाज को आईना दिखाने वाले संदेश थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से उन्होंने यह पहल की, क्योंकि जब तक श्रमिकों का सम्मान नहीं होगा, तब तक समाज में समरसता और सच्ची विकास भावना नहीं आ सकती।

देवास माता मंदिर पर पुजारी से मारपीट मामले में विधायक पुत्र समेत 9 पर मामला दर्ज, पुजारी के बयान में हुआ पलटाव, विवाद में नया मोड़

इंदौर। 3 विधानसभा सीट से भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला द्वारा देवास माता मंदिर पर पुजारी से मारपीट के विवाद ने अब नया मोड़ ले लिया है। शनिवार को कोतवाली थाने पर आवेदन देने के बाद पुजारी परिवार ने विधायक पुत्र के नाम का जिक्र कर मारपीट के आरोप लगाए थे, लेकिन अब पुजारी ने बयान में पलटाव करते हुए कहा है कि इस मामले में विधायक पुत्र का कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, घटना 11 अप्रैल की आधी रात की है, जब रुद्राक्ष शुक्ला अपने साथियों के साथ करीब एक दर्जन वाहनों में देवास की माता टेकरी पहुंचे थे। आरोप है कि मंदिर बंद होने के बावजूद उन्होंने पुजारी से मंदिर के पट खोलने की मांग की, जिस पर पुजारी से विवाद हो गया। पुजारी ने इस मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दी और आरोप लगाया कि उनके बेटे के साथ मारपीट की गई और उन्हें धमकाया गया। इसके अलावा, घटना से जुड़ी वीडियो फुटेज भी सामने आई थीं। इस विवाद के बाद पुलिस ने सोमवार देर रात रुद्राक्ष शुक्ला समेत कुल 9 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। आरोपियों में इंदौर के अमन शुक्ला, हनी, उज्जैन के लोकेश चंदवानी, मनीष तेजवानी, अनिरुद्ध सिंह पंवार, देवास के जीतू रघुवंशी, सचिन और प्रशांत के नाम शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच चल रही है और आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने आरोपियों को ÷हिंदू औरंगजेब÷ करार दिया है, जिससे राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

वहीं, पुलिस ने इस मामले पर अपडेट देते हुए एसपी पुनीत गेहलोद ने कहा कि मामले में आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है और जांच के दौरान और भी लोग नामजद हो सकते हैं। एसपी ने यह भी बताया कि रुद्राक्ष शुक्ला की गाड़ी की सीसीटीवी फुटेज में पहचान की गई है, जिससे आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की दिशा साफ हुई है। इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने इस घटना के बाद पुजारी के साथ न्याय की मांग करते हुए एक नया कदम उठाया। पार्टी के नेताओं ने सोमवार को मंदिर पहुंचकर पुजारी के पैर धोकर उनसे क्षमा मांगी। साथ ही, इंदौर पुजारी संघ ने आरोपियों से तीन दिन के भीतर माफी मांगने का अल्टीमेटम दिया है और पुजारियों के संरक्षण के लिए कानून बनाने की मांग उठाई है।

अब इस मामले में पुजारी के बयान में बदलाव आया है। पुजारी अशोक नाथ ने कहा कि रुद्राक्ष शुक्ला का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है और उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मारपीट और बदतमीजी की हरकत देवास के जीतू रघुवंशी ने की थी, न कि विधायक के बेटे ने। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पुलिस की कार्रवाई से संतुष्टि है और इस मामले में उचित कदम उठाए गए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने इस मामले में बयान देते हुए कहा कि कांग्रेस के विरोध और प्रदर्शन के बाद ही विधायक के बेटे पर एफआईआर दर्ज की गई, लेकिन गिरफ्तारी अब तक नहीं हुई है। उनका आरोप है कि भाजपा और उसके नेताओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है, और उन्हें इस मामले में संरक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रचार प्रमुख नरेंद्र जैन ने भी पहले इस मामले में भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपने बयान से यू-टर्न लेते हुए इसे वापस ले लिया। जैन ने अब अपने बयान को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए इस घटना पर भाजपा की खामोशी पर सवाल उठाए हैं, जबकि कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि भाजपा सत्ता के लालच में इस मामले को नजरअंदाज कर रही है। इस विवाद ने न केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीति को और तीव्र किया है, बल्कि यह मामला राज्य में धार्मिक स्थल पर होने वाली घटनाओं और उनके प्रति सरकार के रवैये को लेकर भी सवाल खड़े कर रहा है।

एयरपोर्ट पर मेट्रो स्टेशन के निर्माण के लिए राज्य शासन ने दी मंजूरी, विस्तार योजनाओं में बदलाव की संभावना

इंदौर। एयरपोर्ट पर मेट्रो स्टेशन बनाने की योजना को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य शासन ने इंदौर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए दी गई भूमि में से मेट्रो स्टेशन के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि देने की मंजूरी दे दी है। अब एयरपोर्ट प्रबंधन ने मेट्रो कंपनी की मांग के अनुसार प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे जल्द ही मुख्यालय भेजा जाएगा। जैसे ही मुख्यालय से मंजूरी मिलती है, एयरपोर्ट प्रबंधन मेट्रो को भूमि सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर देगा, जिससे मेट्रो स्टेशन का निर्माण कार्य आरंभ हो सकेगा। यह कदम इंदौर शहर के यातायात क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन लेकर आएगा। देश और दुनिया के बड़े शहरों में जहां एयरपोर्ट पर मेट्रो स्टेशन की सुविधा उपलब्ध है, वहीं इंदौर में भी अब एयरपोर्ट पर मेट्रो स्टेशन की योजना को मूर्त रूप देने की तैयारी की जा रही है। यह मेट्रो स्टेशन एयरपोर्ट टर्मिनल के सामने अंडरग्राउंड बनाया जाएगा, जहां यात्रियों की सुविधा के लिए एस्केलेटर और टिकट काउंटर जैसी सुविधाएं भी होंगी। इस परियोजना के तहत, मेट्रो कंपनी ने एयरपोर्ट प्रबंधन से 20.48 एकड़ भूमि में से एक हिस्से को मेट्रो स्टेशन बनाने के लिए मांगा था। एयरपोर्ट के निदेशक विपिनकांत सेठ ने बताया कि, इस जमीन को राज्य शासन ने एयरपोर्ट के विस्तार के लिए आवंटित किया था, और बिना राज्य शासन की मंजूरी के इस भूमि का कोई अन्य उपयोग नहीं किया जा सकता था। इसके चलते, एयरपोर्ट प्रबंधन ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर राज्य शासन के पास भेजा था, जिस पर राज्य शासन ने मेट्रो को एक हिस्सा देने की मंजूरी दे दी है। अब इस मंजूरी के बाद मेट्रो के लिए भूमि देने की प्रक्रिया को और तेजी से पूरा किया जाएगा, और मेट्रो स्टेशन के निर्माण कार्य की शुरुआत हो सकेगी।

इस परियोजना का उद्देश्य इंदौर शहर के यातायात नेटवर्क को और अधिक प्रभावी और सुविधाजनक बनाना है। मेट्रो स्टेशन के निर्माण से एयरपोर्ट आने-जाने वाले यात्रियों को अत्यधिक लाभ मिलेगा, क्योंकि यह स्टेशन एयरपोर्ट टर्मिनल के पास स्थित होगा और इसे अंडरग्राउंड तरीके से विकसित किया जाएगा। इसके अलावा, इस स्टेशन में यात्रियों के लिए एस्केलेटर, टिकट काउंटर, पार्किंग और अन्य आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। हालांकि, इस परियोजना के चलते एयरपोर्ट की कुछ अन्य विस्तार योजनाओं पर असर पड़ सकता है। पहले एयरपोर्ट को 28 एकड़ जमीन की आवश्यकता थी, लेकिन अब यह भूमि घटाकर 20 एकड़ कर दी गई है। इसके कारण, एयरपोर्ट के मल्टीलेवल कार पार्किंग, फूड और शॉपिंग जोन जैसे विस्तार योजनाओं पर असर पड़ सकता है। अधिकारियों के अनुसार, मेट्रो के लिए भूमि सौंपे जाने के बाद एयरपोर्ट के कुछ प्रोजेक्ट समय से पूरे नहीं हो सकेंगे। मेट्रो कंपनी ने कुल तीन एकड़ भूमि की मांग की है, जिसमें से एक एकड़ स्थायी रूप से मेट्रो स्टेशन के निर्माण के लिए और दो एकड़ अस्थायी रूप से यार्ड या वर्क स्टेशन के लिए मांगी गई है। हालांकि, अस्थायी भूमि के लिए मंजूरी मिलने की संभावना कम मानी जा रही है, जबकि स्थायी भूमि पर मंजूरी मिलना तय माना जा रहा है। इस पूरे मामले में मेट्रो स्टेशन के निर्माण से इंदौर में यातायात सुविधाओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव आएगा, जो शहर की सवारी व्यवस्था को न केवल बेहतर बनाएगा, बल्कि शहर के विकास में भी एक अहम योगदान देगा। मेट्रो परियोजना के पूरा होने से इंदौर शहर को एक और आधुनिक और सुविधाजनक यातायात नेटवर्क मिलेगा, जिससे शहर की समग्र विकास प्रक्रिया में भी तेजी आएगी।

वन विभाग की बड़ी चुनौती: जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 25 लाख पौधे लगाने के लिए जमीन तलाशने में जुटा, इंदौर में हरियाली को बढ़ावा देने की कवायद

इंदौर। शहर में वन विभाग ने एक बड़ी चुनौती का सामना करना शुरू कर दिया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 25 लाख पौधों के रोपण के लिए जमीन तलाशने में वन विभाग जुटा हुआ है। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट द्वारा इस अभियान के तहत इंदौर वन विभाग को 25 लाख पेड़-पौधे लगाने का निर्देश दिए जाने के बाद, विभाग ने महू, मानपुर, चोरल सहित इंदौर के विभिन्न फॉरेस्ट रेंज में उपयुक्त स्थानों की पहचान शुरू कर दी है। डीएफओ प्रदीप मिश्रा ने बताया कि कई स्थानों को चिह्नित कर लिया गया है, लेकिन वन कर्मचारियों का कहना है कि 25 लाख नए पौधों के लिए पर्याप्त जमीन ढूंढना कोई आसान काम नहीं है। पिछले साल ही मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के आदेश पर 51 लाख पौधारोपण अभियान चलाया गया था, जिसमें विभाग ने करीब 25 लाख पौधे लगाए थे। इसके अलावा, वन विभाग हर साल बारिश से पहले लगभग 5 लाख पौधे रोपित करता है, और इस साल भी उन पौधों के लिए गड्ढे खोदने का काम जारी है। इसके अलावा, जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत, विभाग को अब 25 लाख नए पौधे लगाने का भारी दायित्व मिला है। यह न केवल इंदौर वन विभाग के लिए, बल्कि शहर के नागरिकों और पर्यावरण संरक्षण के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना को सफल बनाने के लिए वन विभाग पूरी मेहनत और समर्पण के साथ कार्य कर रहा है। विभाग के अधिकारी यह मानते हैं कि इस साल भी 25 लाख पौधों के साथ-साथ उन्हें ठीक से बड़ा करने की चुनौती होगी। यह पौधारोपण न सिर्फ इंदौर में हरियाली को बढ़ावा देगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भी एक महत्वपूर्ण योगदान साबित होगा। इससे पहले पिछले साल भी 30 लाख पौधों को लगाने और उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी विभाग ने पूरी की थी, और अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वन विभाग इस साल कितने समय में भूमि की पहचान कर इस विशाल पौधारोपण अभियान को अंजाम देता है। कई बार वन विभाग ने नागरिकों के साथ मिलकर ऐसे अभियान चलाए हैं, जो न सिर्फ शहर में हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से होते हैं, बल्कि आम जनता को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने का भी काम करते हैं। अब जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लाखों पौधों की रोपाई को लेकर सरकार ने निर्देश जारी कर दिए हैं, और इंदौर के हर कोने में इन पौधों को लगाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह अभियान न केवल शहर के पर्यावरण को सशक्त बनाएगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक स्थिर और हरा-भरा इंदौर सुनिश्चित करेगा। वन विभाग अब अपने प्रयासों को और तेज़ी से आगे बढ़ाते हुए पौधारोपण के इस बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिन-रात एक करने में जुटा हुआ है।

किन्नरो के बढ़ते आतंक व अवैध वसूली

नगरवासियों द्वारा धामनोद चौकी प्रभारी आनंद बागवान को धामनोद नगर में किन्नरों के बढ़ते हुए आतंक व अवैध वसूली को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। नागरिकों ने ज्ञापन में कहा कि धामनोद नगर में किन्नरों द्वारा कुछ दिन पहले एक परिवार के घर पर जाकर डरा धमका कर मोटी रकम की मांग गईं थी, और उस परिवार द्वारा सम्मान जनक राशि किन्नरों को दी जा रही थी, लेकिन किन्नरों द्वारा उस परिवार को डराना धमाकाना, अभद्र भाषा का उपयोग करना, कपड़े उतारने की धमकी देना एवं गाली - गलोच की गईं, जिस पर उस परिवार द्वारा धामनोद चौकी पर पुलिस अधिकारीयों को किन्नरों की मौखिक शिकायत की गई थी। चौकी पर पुलिस अधिकारियों द्वारा समझाइस देकर मामले को शांत कर दिया गया था। लेकिन उसके कुछ दिन बाद धामनोद नगर में पता चला की किन्नर पहले भी कई जगह से इस तरह की अवैध वसूली की मांग व अभद्र भाषा का प्रयोग कर चुके है। लिहाजा 13 अप्रैल रविवार को धामनोद चौकी पर समस्त नगर वासियो ने एकत्रित होकर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में मांग की गई है कि धामनोद नगर में किन्नरों की अवैध वसूली पर रोक लगाई जाए। साथ ही धामनोद नगर में किन्नरों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जाए।

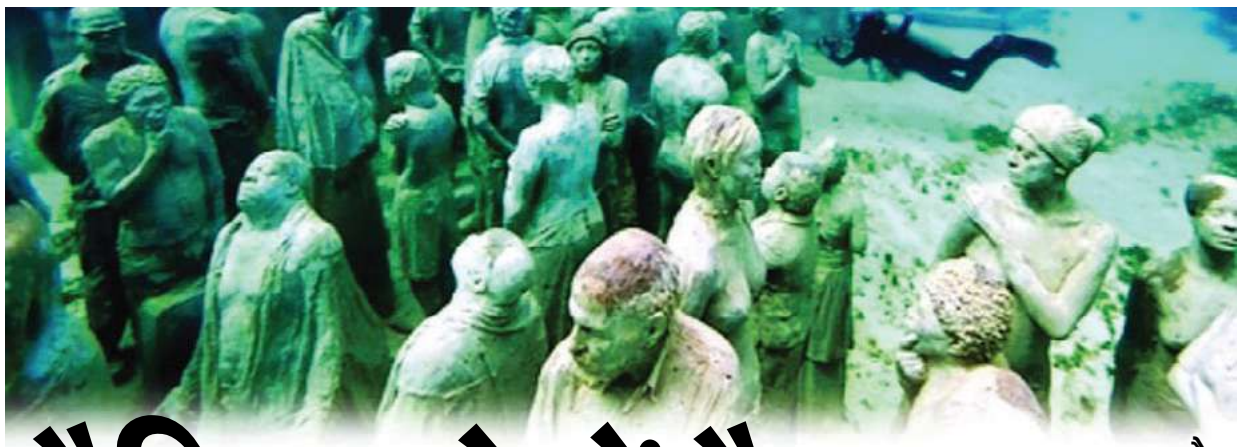

मैक्सिको में है दुनिया का सबसे बड़ा अंडरवॉटर म्यूजियम

अगर आप कुछ अलग और एडवेंचरस जगहों को देखने में रुचि रखते हैं तो आपको मैक्सिको के कैनकन शहर में स्थित मूसा म्यूजियम जरूर देखना चाहिए जो दुनिया का सबसे बड़ा अंडरवॉटर म्यूजियम है। जहां पानी के अंदर एक अलग ही नजारा देखने को मिलेगा। लगभग 500 आदमकद मूर्तियों वाला ये म्यूजियम कोरल रीफ्स के संरक्षण के मकसद से बनाया गया है।

म्यूजियम ये नाम सुनते ही दिमाग में पुरानी चीज़ों को सहेजकर रखने वाली जगहों का ध्यान आता है। हालांकि बदलते समय के साथ अब म्यूजियम्स में आकर फन और एडवेंचर का एक्सपीरियंस भी लिया जा सकता है। जिसका बेहतरीन उदाहरण है दुबई का म्यूजियम ऑफ फ्यूचर, दिल्ली का टॉयलेट म्यूजियम या फिर थाईलैंड का कंडोम म्यूजियम, तो आज हम आपको ऐसे ही एक और अजीबो-गरीब म्यूज़ियम के बारे में बताने वाले हैं, जिसे देखने के लिए आपको पानी में गोते लगाने पड़ेंगे। इसका नाम म्यूजिओ सबक्यूआटिको डी आटें या अंडर वॉटर आर्ट म्यूजियम है। यह म्यूजियम दक्षिण अमेरिका के मैक्सिको के कैनकन शहर में स्थित है। जिसे दुनिया का सबसे बड़ा अंडरवॉटर म्यूजियम माना जाता है।

सतह से 29 फीट नीचे हैं मूर्तियां

इस म्यूजियम की शुरुआत नेशनल मरीन पार्क के डायरेक्टर जेम गोंजालेज केनो ने साल 2009 में की थी। जिसमें पानी की सतह से लगभग 15 से 29 फीट नीचे 500 से भी ज्यादा आदमकद मूर्तियां रखी गई हैं। इस म्यूजियम को बनाने का मकसद कोरल रीफ्स को सुरक्षित रखना है। यहां रखी मूर्तियां कंक्रीट से बनी हुई हैं। जिससे कोरल रीफ्स के साथ ही जलीय जीवों और पानी को भी किसी तरह का कोई नुकसान नहीं होगा, बल्कि मूर्तियों को बनाने में जिस तरह की सीमेंट का इस्तेमाल किया गया है, वो कोरल रीफ की ग्रोथ में मददगार है। इस म्यूजियम में जेसन डीकैरेस, केरेन सेलाइनास, रार्बटो अब्राहम, रोड्रिगो रेयास और सालवाडोर एनिस जैसे कलाकारों की मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं। इसे बनाने में पूरे 18 महीने लगे थे और नवंबर 2010 में इसे आम दर्शकों के लिए खोला गया था।

मानव और प्रकृति के बीच का संबंध दर्शाती हैं यहां रखी मूर्तियां

द साइलेंट इवॉल्यूशन

यह इस म्यूजियम का सबसे बड़ा मूर्ति संग्रह है। जहां तकरीबन 200 मूर्तियां हैं। ये मूर्तियां यहां के स्थानीय वस्त्रकला, व्यापार और संस्कृति को दर्शाती हैं। इन मूर्तियों की खासियत है कि बढ़ते वक्त

के साथ ये कोरल रीफ्स की तरह बर्ताव करने लग जाती हैं। इन मूर्तियों में हर उम्र और जेंडर को शामिल किया गया है।

फॉक्सवैगन बीटल

इस म्यूजियम में सीमेंट से बनी फुल साइज फॉक्सवैगन बीटल कार की भी प्रतिकृति मौजूद है। कार की ये प्रतिकृति अंदर से बिल्कुल खोखली है जिससे जलीय जीव इसमें आ जा सके। कार के बोनट पर एक इंसान भी बैठा हुआ दिखाया गया है।

सी एस्केप और द अर्बन

सी एस्केप पानी के अंदर बनी हुई कंक्रीट की रिंग्स हैं। म्यूजियम देखते वक्त पर्यटक स्कूबा डाइविंग करते हुए इनके अंदर से भी जा सकते हैं। इसके साथ ही यहां कई छोटे-छोटे घर भी बने हुए हैं। ये घर पानी के अंदर एक शहर जैसे नजर आते हैं। जिसमें चिमनी और खिड़कियां भी देखी जा सकती हैं ।

द बेंकर

इस कैटेगरी में पॉप्रर सूट बूट पहने पुरुषों की मूर्तियां देखने को मिलेंगी और उनके मुंह जमीन में धंसे हुए हैं। इस तरह की मूर्तियों को बनाने का उद्देश्य है कि हैं कि मनुष्य किस तरह अपने छोटे-छोटे फायदों के लिए पर्यावरण को नजरअंदाज करके आगे बढ़ रहा है। इस मूर्तियों को जेसन डीकेरेस टेलर ने बनाया है। कुछ प्रतिकृतियों के पास तो सूटकेस भी रखे गए हैं।

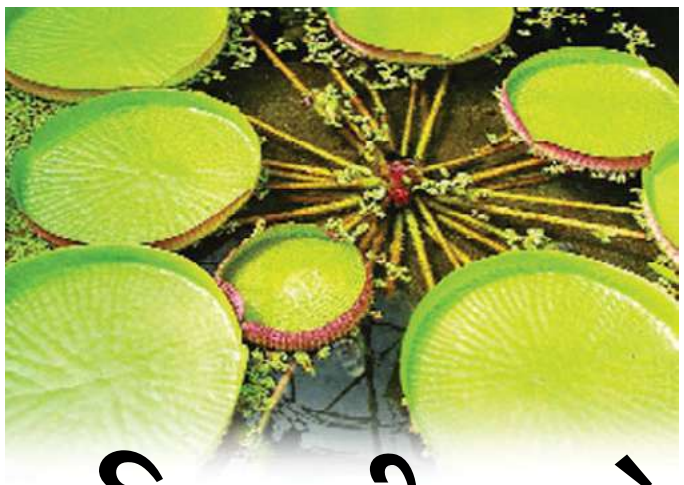

दुनिया की सबसे बड़ी वॉटर लिली विक्टोरिया एमाजोनिका

विक्टोरिया एमाजोनिका नाम के इस पौधे के बीजों का मखाने की तरह खाने में उपयोग किया जाता है। इस पौधे को 1801 में ब्राजील की अमेजन नदी में पहली बार देखा गया।

इस फूल की पत्तियां पूरी 6 मीटर चौड़ी होती हैं। पहली रात को तो इसका फूल सफेद होता है लेकिन बाद में धीरे-धीरे इसका रंग गुलाबी हो जाता है। दरअसल यह एक बेहद सुंदर फूल है जो हर 14 साल में एक बार खिलता है। इसके नाम के पीछे भी बड़ी दिलचस्प कहानी है. क्वीन विक्टोरिया को इंप्रेस करने के लिए उनके मालियों में होड़ लगी रहती है। एक माली को जब इस अजीबोगरीब फूल का पता चला, तो उन्होंने इसे विक्टोरिया का नाम दे डाला।

तीन मीटर से अधिक व्यास की पत्ती वाला यह पौधा जहां एक नजर में अपनी ओर आकर्षित कर लेता है, वहीं इसकी पत्ती के वृहद होने का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि इस पर 30-30 किलो के चार बच्चे एक साथ बैठ सकते हैं। इसके पत्ते की गोलाई साढ़े तीन मीटर होती है। वैज्ञानिकों ने इसे गार्डन के अजूबा श्रेणी में रखा है। विक्टोरिया एमाजोनिका नाम के इस पौधे के बीजों का मखाने की तरह खाने में उपयोग किया जाता है। इसमें प्रोटीन के साथ आयरन, जिंक, मिनरल काफी मात्रा में पाया जाता है। देश में अभी तक यह कोलकाता के बॉटेनिकल गार्डन में संरक्षित है।

पहली बार अमेजन नदी में देखा गया यह पौधा

इस पौधे को 1801 में ब्राजील की अमेजन नदी में पहली बार देखा गया। अमेजन नदी जैव विविधता में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है। पानी में उगने वाले इस पौधे को मखाने का चचेरा भाई भी कहा जाता है। अप्रैल व मई के महीने में इसके बीज को उगने के लिए डाला जाता है। गर्मी खत्म होने के साथ बीज अंकुरित होने लगते है। इसका फूल खिलने का भी अंदाज बिलकुल अलग है। सर्दी के महीने में पहली रात में इसका फूल सफेद रंग का होता है। दूसरी रात में यह गुलाबी हो जाता है। तीसरी रात में यह पानी में वापस समा जाता है और यहीं पर उसका फल तैयार होता है। एक पौधे से पांच सौ से अधिक बीज तैयार होते हैं। ये बीज पानी में ही गिर जाते हैं और यहीं से उन्हें गोताखोरों के द्वारा निकाला जाता है।

1851 में इस पर पहली बार खिला था फूल

बॉटनिकल गार्डन के वैज्ञानिक बताते हैं कि यह एक विशेष प्रकार का पौधा है। इसकी पत्ती की अपनी विशेषता है। यह जहां आकार में बड़ी होती है वहीं इस पत्ती की डंडी भी साढ़े सात मीटर होती है। 1851 में पहली बार इस पर फूल खिला था। जिसे इंग्लैड की महारानी विक्योरिया को भेंट किया गया था। तभी से इसका नाम विक्टोरिया एमाजोनिका पड़ा। करीब सौ वर्ष पहले इसे भारत में कोलकाता के बॉटेनिकल गार्डन में लाया गया था। इसकी पत्ती का व्यास अधिक होने के कारण इसकी खेती नहीं की जाती है, क्योंकि यह पानी में जगह अधिक घेरती है। इसके बीज को मखाने की तरह ही खाया जाता है।

शूटिंगः

आज से होगी पेरू शूटिंग विश्वकप की शुरुआत, मनु और सुरुचि पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी। इस विश्वकप में भारत की 35 सदस्यीय टीम भाग ले रही है। बीते सप्ताह ब्यूनस आयर्स में आयोजित पहले विश्वकप में भारतीय निशानेबाजों ने कुल चार स्वर्ण समेत कुल आठ पदक जीते थे।

ब्यूनस आयर्स विश्वकप में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय निशानेबाज अब लीमा (पेरू) में मंगलवार से शुरू होने जा रहे दूसरे विश्वकप में अपना अभियान शुरू करेंगे। लास पाल्मास शूटिंग रेंज में मंगलवार को पुरुषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं के फाइनल होंगे। महिलाओं की एयर पिस्टल में निगाहें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, ब्यूनस आयर्स में इस स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाली सुरुचि और सैंयम पर निगाहें होंगी, जबकि पुरुष वर्ग में सौरभ चौधरी, वरुण तोमर और रविंदर स्वर्ण पदक पर निशाना साधेंगे। इस विश्वकप में भारत की 35 सदस्यीय टीम भाग ले रही है। बीते सप्ताह ब्यूनस आयर्स में आयोजित पहले विश्वकप में भारतीय निशानेबाजों ने कुल चार स्वर्ण समेत कुल आठ पदक जीते थे।

हॉकीः

ऑस्ट्रेलिया में दिखेंगी काशी की पूजा, पहली बार भारतीय महिला हॉकी टीम में जिले का प्रतिनिधित्व

वाराणसी, एजेंसी। अपने इस चयन पर पूजा ने कहा कि मैं ऑस्ट्रेलिया में शत-प्रतिशत शानदार प्रदर्शन करूंगी। अनुशासन और ईमानदारी से ही आप आगे बढ़ सकते हैं। सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता है। भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम में वाराणसी के गंगापुर की निवासी पूजा यादव का चयन हुआ है।

मिडफील्डर पूजा वाराणसी की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी बन गई जिसका चयन भारतीय महिला हॉकी टीम में शामिल किया गया है। पूजा ने बैंगलोर से फोन पर बातचीत में बताया कि आज वह अपने माता-पिता की तपस्या के कारण पहुंची है। पिता महेंद्र यादव दूध बेचने का काम करते हैं। माता कलावती देवी ग्रहणी हैं। वह छह बहन व एक भाई हैं। वह पांचवें नंबर पर है। ओलंपियन ललित उपाध्याय की वीडियो देख वह प्रेरित होती हैं। गंगापुर से उसने अपनी हॉकी यात्रा शुरू की। वहां से साई के कोच द्वारा खेल निखारा। अभी लखनऊ साई हॉस्टल में है। पूर्वांचल विश्विद्यालय जौनपुर से बीए कर रही हैं।

विनोद कांबली की मदद के लिए आगे आए सुनील गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। विनोद कांबली के लिए सुनील गावस्कर ने मदद का हाथ बढ़ाया है. ये मदद गावस्कर के फाउंडेशन की ओर से की जाएगी. इस मदद के तहत कांबली को हर महीने 30000 रुपये आगे पूरी जिंदगी दिए जाएंगे. उसके अलावा उन्हें पूरे साल के मेडिकल खर्चे के तौर पर 30000 रुपये अलग से भी मिलेंगे.

सुनील गावस्कर के चेम्स फाउंडेशन की शुरुआत 1999 में इसी मकसद के साथ हुई थी कि उससे जरूरतमंद इंटरनेशनल क्रिकेटरों को मदद की जाएगी.

रिपोर्ट के मुताबिक, विनोद कांबली को हर महीने 30000 रुपये फाउंडेशन की ओर से देने की प्रक्रिया को 1 अप्रैल से ही लागू कर दिया गया है.

53 साल के कांबली आगे अब जब तक जिंदा रहेंगे, उन्हें ये पैसे मिलते रहेंगे. इसके अलावा उन्हें 30000 रुपये का सालाना मेडिकल खर्च जो मिलेगा, वो अलग से होगा.

जनवरी में मुलाकात, अप्रैल में मदद का हाथ

विनोद कांबली से सुनील गावस्कर की मुलाकात वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं सालगिरह पर 11 जनवरी को हुई थी.

उस दौरान कांबली, गावस्कर के पैर छूते हुए इमोशनल हो गए थे. उस मुलाकात के बाद अब सुनील गावस्कर के फाउंडेशन का ये फैसला स्वागत के योग्य है.

मदद पाने वाले कांबली दूसरे क्रिकेटर

भारत के लिए 17 टेस्ट और 104 वनडे खेलने वाले विनोद कांबली, सुनील गावस्कर के चेम्स फाउंडेशन से मदद पाने वाले दूसरे क्रिकेटर होंगे. उनसे पहले पूर्व क्रिकेटर सलीम दुर्रानी को भी ये फाउंडेशन मदद कर चुका है.

कांबली की तबीयत बिगड़ने के बाद लिया मदद करने का फैसला

पिछले साल दिसंबर में विनोद कांबली की तबीयत काफी बिगड़ गई थी. उन्हें यूरिन इंफेक्शन हो गया था, जिसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था. कांबली के सेहत के बिगड़ने के बाद से ही गावस्कर उनकी मदद करने को लेकर इच्छुक थे. वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं सालगिरह के दौरान गावस्कर सिर्फ विनोद कांबली से ही नहीं बल्कि उनके दो डॉक्टरों से भी मिले. जिसके बाद उनका बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज को मदद करने का इरादा और पुख्ता हो गया.

राणा दग्गुबाती को पसंद आई अक्षय कुमार-माधवन की फिल्म

अभिनेता अक्षय कुमार और आर माधवन की फिल्म केसरी 2 जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म की रिलीज को कुछ दिन बाकी हैं। आज शनिवार को राणा दग्गुबाती ने इस फिल्म की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि यह ऐसी फिल्म है, जिसे अलग-अलग भाषाओं में दिखाया जाना चाहिए। राणा दग्गुबाती ने शनिवार को फिल्म केसरी 2 देखी। यह ऐतिहासिक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है। राणा ने फिल्म के तेलुगु वर्जन के राइट्स खरीदे हैं और फिल्म देखने के बाद उन्होंने इसकी जमकर तारीफ की है। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, अभी-अभी एक शानदार ऐतिहासिक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म देखी। केसरी चैप्टर 2- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग।

तेलुगु दर्शकों तक पहुंचाने की हर संभव कोशिश

आगे लिखा है, एक मजबूत और महत्वपूर्ण फिल्म, जो आपके अंदर के भारतीय को गहराई से जगाती है। यह ऐसी कहानी है, जो सभी भाषाओं में देखने लायक है। हम सुरेश प्रोडक्शंस इस सिनेमाई रत्न को तेलुगु दर्शकों तक सिनेमाघरों में बेहतरीन तरीके से पहुंचाने की हर संभव कोशिश करेंगे।

श्रुति हासन ने बताया चिल करने के लिए उनकी पसंदीदा जगह

अभिनेत्री श्रुति हासन ने बताया कि चिल करने के लिए उनकी पसंदीदा जगह घर पर उनकी शानदार कंक्रीट की रसोई है। श्रुति ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह गाजर, प्याज और खीरे के साथ किमची पानी, लहसुन, सोया सॉस और तिल के तेल के साथ सलाद बना रही हैं। पोस्ट के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मुझे अपने खूबसूरत कंक्रीट की रसोई में आए काफी समय हो गया है, जो चिल करने के लिए मेरी पसंदीदा जगह है। मुझे इनमें से कोई भी रेसिपी बनाए काफी समय हो गया है, जिसे बनाना मुझे बहुत पसंद है, क्योंकि मुझे लोगों के साथ खाना और प्यार बांटना बहुत पसंद है. अभिनेत्री ने आगे लिखा, बोन एपेटिट, इसे बनाना आसान है और यह बहुत हेल्दी और स्वादिष्ट है (यह फ्रिज से निकालते ही और भी स्वादिष्ट लगता है)। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री अपकमिंग फिल्म कुली में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। 4 अप्रैल को एक्स पर पोस्ट शेयर कर प्रोडक्शन बैनर सन पिक्चर्स ने घोषणा की थी। प्रोडक्शन हाउस की ओर से एक पोस्ट में लिखा गया, कुली 14 अगस्त से दुनिया भर में। लोकेश कनकराज के निर्देशन में बनी एक्शन-थ्रिलर कुली में रजनीकांत के अलावा, नागार्जुन, उपेंद्र, सौबिन शाहिर और सत्यराज सहित कई सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। जानकारी के अनुसार अभिनेता आमिर खान भी फिल्म में कैमियो भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में रेबे, मोनिका जॉन और जूनियर एमजीआर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के जरिए अभिनेता सत्यराज और रजनीकांत लगभग 38 साल बाद एक साथ काम करते हुए नजर आएंगे।

भक्ति संगीत का कार्यक्रम देर रात तक चला

श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्री संघ द्वारा मुमुक्षु बहनों सपना राठौर और शीतल राठौर की जैन भगवती की दिक्षा पर्व को लेकर आयोजित गुरुदेव की भक्ति तथा एक शाम महावीर के नाम आयोजित की गई। इस भजन संध्या में संगीतकार देवेन्द्र पंवार द्वारा भगवान महावीर एवं गुरुदेव के भजनों से देर रात्रि तक समा बांधे रखा। ओम नमो अरिहंताणं गुरु मंत्र के साथ ही विरती धरनो वेश प्यारो लागे रे,तु कितनी अच्छी है तू कितनी प्यारी है ओ मां, रोती हुई आंखों को मेरे बाबा हंसाता है। आदि कई भक्ति गीतों से समा बांध दिया। जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्री संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र मेहता, अभय रांका, राजेंद्र चंडालिया,ललित चण्डालिया के द्वारा मुमुक्षु बहनों व परिवार का बहुमान किया गया। भक्ति संगीत का कार्यक्रम देर रात तक चला। भक्ति संध्या का संचालन सौरभ रांका ने किया।

रक्तदान शिविर में 56 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ

नगर में भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सैलाना जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक श्रीसंघ ने नगर की मुमुक्ष बहने सपना राठौर और शीतल राठौर की जैन भगवती दीक्षा 19 अप्रैल 2025 को पालीताणा तीर्थ के शंखेश्वर पुरम मे प.पु. गच्छाधिपति आ.दे. नरदेव सागर सूरीश्वर जी म.सा. की निश्रा में सम्पन्न होगी। दीक्षा पूर्व आयोजनों में आज गुरुवार को सैलाना में महावीर जयंती के पर्व पर सकल जैन संघ की उपस्थिति में भव्य वर्षीदान वरघोड़ा निकाला गया। स्थानीय सागर वाटिका से प्रारम्भ यह वरगोड़ा नगर के मुख्यमार्ग, सदर बाजार, गणेश मंदिर, राजवाड़ा चोक,शेखजी मोहल्ला,रंगवाड़ी मोहल्ला,भोई मोहल्ला से बस स्टेण्ड होते हुए सागर वाटीका पहुच कर समापन हुआ। वर्षीदान वरघोड़ा में संयम पथ पर अग्रसर सपना राठौर और शीतल राठौर द्वारा जीवन उपयोगी वस्तुओं के आम नागरिकों के बीच उछाल कर यह संदेश दिया कि सांसारिक जीवन मे इन सभी वस्तुओं का मोल अब मेरे लिए नही रहा है। जीवन मे सभी वस्तुओं का त्याग कर,मोह माया को छोड़कर आचार्य भगवन्तों के सानिध्य में संयम जीवन की ओर अग्रसर हो रही हूं। नगर में जगह जगह दीक्षार्थी का बहुमान अभिनंदन किया गया, रास्ते भर अनेक श्रद्धालुओं ने जलपान की व्यवस्था की।

रक्तदान शिविर सम्पन्न

गुरूवार को चल समारोह के पश्चात जैन श्वेतांबर सोश्यल ग्रुप एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में अणु आराधना भवन रंगवाड़ी मोहल्ला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कई महिला-पुरुषो ने इस शिविर में हिस्सा लेकर रक्तदान कर जीवन दान का पुनीत कार्य किया। शिविर में 56 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। जो पात्र रोगियों के लिए रक्त बैंक रतलाम भिजवा दिया गया। एसडीएम मनीष जैन ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ कर अपील की कि रक्तदान किसी इंसान के जीवन को बचा सकता है। इसलिए सभी को रक्तदान से पीछे नहीं हटना चाहिए। इस अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर सोशल ग्रुप के अध्यक्ष दिनेश चंडालिया के नेतृत्व में शैलेंद्र चंडालिया, पंकज चंडालिया, प्रिंस लोड़ा, सुरेंद्र ग्वालियर, सौरभ रांका, प्रितेश चंडालिया, निर्मल कोठारी, संदीप वोहरा, रोहित चंडालिया, पीयूष चंडालिया, जितेंद्र रांका, शैलेंद्र ग्वालियर सहित कई वरिष्ठ समाजजन व युवा उपस्थित थे। रक्तदान शिविर में सबसे वरिष्ठ प्रमोद भंडारी ने रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया।

स्वामी वात्सल्य का आयोजन

स्थानीय जैन जागृति मंच की अगुवाई में सकल जैन समाज का स्वामी वात्सल्य का आयोजन भी जैन धर्मशाला पर रखा गया। सकल जैन समाज के सभी समाज बंधुओं ने इसमें हर्षोल्लास के साथ शिरकत की। मंच के अध्यक्ष पीयूष जैन व वरिष्ठ सदस्य अजय कोठारी, इन्द्रेश चण्डालिया, अंकुश संघवी,अभय मोगरा आदि ने पूरे समारोह को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी का आभार व्यक्त किया।

इस साल मॉनसून में नहीं होगा जलभराव

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पहचाने 445 हॉटस्पॉट; पीडब्ल्यूडी मंत्री ने क्या दिया आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में इन दिनों भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। कुछ समय बाद मॉनसून दस्तक देगा। उस दौरान लोगों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े इसके लिए तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। ट्रैफिक पुलिस ने मॉनसून को देखते हुए शहर भर के 445 हॉटस्पॉट की पहचान की है। अधिकारियों ने मंगलवार बताया कि हॉटस्पॉट की लिस्ट सिविक एजेंसियों के साथ शेयर की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस साल बाढ़ से बचने के लिए समय पर निवारक उपाय किए जा सकें।

अधिकारियों ने बताया कि पहचाने गए 445 क्षेत्रों में से छह-छह दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और एनडीएमसी (नई दिल्ली नगर पालिका परिषद) के अंतर्गत आते हैं, जबकि शेष लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अंतर्गत आते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले साल जलभराव की आशंका वाले करीब 300 स्थानों की पहचान की गई थी। एक अधिकारी ने बताया, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इस मॉनसून में जलभराव को रोकने के लिए समय पर गाद निकालने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। सभी इलाकों में पंपों की क्षमता बढ़ाने और नालों के पुनर्विकास के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने आगे कहा, पीडब्ल्यूडी ने कई डिवीजनों में गाद निकालने का काम शुरू कर दिया है और गाद निकालने का पहला चरण मई तक पूरा हो जाएगा। साथ ही, विभाग ने अंडरपास और सबवे में जलभराव को रोकने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है, साथ ही पंप हाउस में अलार्म या टाइमर लगाने के बारे में भी बताया है, ताकि जल स्तर बढ़ने पर कर्मचारियों को सचेत किया जा सके। इसके अलावा, सरकार शहर में जलभराव को रोकने के लिए सड़कों से पानी निकालने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली लगभग 25 सुपर सकर मशीनें खरीदने की तैयारी में है। अधिकारी ने कहा कि पानी के पंपों के नियमित रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए एक टीम का गठन किया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया, पीडब्ल्यूडी के अधीन 128 स्थायी पंप हाउस और 538 स्थायी पंप हैं। इनमें से 439 अच्छी स्थिति में काम कर रहे हैं। दिल्ली में 15 से ज्यादा इलाके जलभराव की समस्या से ग्रस्त हैं, जिनमें जखीरा फ्लाईओवर, मिंटो रोड ब्रिज, प्रहलादपुर पुल, सरिता विहार अंडरपास, जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन, लोनी रोड क्रॉसिंग और आजादपुर मार्केट अंडरपास शामिल हैं।

पानी की चोरी पर लगाम, दिल्ली के लोग जान पाएंगे कहां पहुंचा टैंकर; रूट बदलते ही पकड़ा जाएगा ड्राइवर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली जल बोर्ड ने पानी की चोरी पर सख्ती की तैयारी पूरी कर ली है। टैंकर चालक ने अगर तय रास्ते को छोड़ा और रूट बदला तो तकनीक के जरिए उसे पकड़ लिया जाएगा। लोग टैंकर का भी पता लगा सकेंगे। दिल्ली जल बोर्ड ने इसके लिए सभी 1100 टैंकरों में जीपीएस सिस्टम लगाने का काम पूरा करने के साथ एंड्रॉयड मोबाइल के लिए ऐप तैयार करा लिया है। अब आईफोन के लिए मोबाइल ऐप तैयार कराया जा रहा है।

दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि जल्द दोनों ऐप को दिल्ली की जनता के लिए सार्वजनिक कर दिया जाएगा। इन मोबाइल ऐप के जरिए पानी के टैंकरों की लोकेशन ट्रेस की जा सकेगी। ऐप से ही लोगों को पता चल जाएगा कि उनके मोहल्ले में पानी का टैंकर कितनी देर में पहुंचने वाला है। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि टैंकरों में जीपीएस सिस्टम का ट्रायल भी किया जा चुका है। पानी की चोरी को रोकने के लिए तैयार सिस्टम को अप्रैल के अंत तक शुरू करने की तैयारी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के आम नागरिक और आरडब्ल्यूए संगठन भी मोबाइल ऐप के माध्यम से टैंकर को ट्रैक कर सकेंगे। दिल्ली में उन सभी स्थलों के डाटा को मोबाइल ऐप में अपलोड किया गया है जहां से टैंकरों में पानी भरा जाता है। इसके अलावा जिन स्थलों पर टैंकर जाकर पानी की सप्लाई करते हैं, उनका डाटा बेस भी तैयार किया गया है। जियो टैगिंग के साथ तैयार किए गए इस डाटा के आधार पर ही यह निगरानी सिस्टम काम करेगा और इसी के आधार पर टैंकरों के लिए रूट निर्धारित किए गए हैं। अलग-अलग वार्ड के आधार पर लोग इन टैंकरों की ट्रैकिंग कर सकेंगे। पानी के टैंकरों में लगे जीपीएस को मोबाइल ऐप से कनेक्ट किया जाएगा। लोग मोबाइल ऐप डाउनलोड करके उसमें अपने वार्ड का चयन करेंगे। इसके बाद अपने आसपास के ऐसे प्वॉइंट का चुनाव करेंगे, जहां पानी का टैंकर आकर खड़ा होता है और पानी की डिलीवरी की जाती है। इस तरह की कुछ लोकेशन की जानकारी ऐप में दर्ज कराने के बाद यह बता देगा कि उनकी लोकेशन पर किस फिलिंग स्टेशन से टैंकर पहुंचेगा।

दिल्ली में जल्द खुलेंगे 70 आरोग्य मंदिर, पहले चरण में हर विधानसभा में होगा एक सेंटर

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक की जगह अब आरोग्य मंदिर नजर आएंगे। दिल्ली सरकार पहले चरण में कुल 70 आरोग्य मंदिर की शुरुआत करेगी। प्रत्येक विधानसभा में एक आरोग्य मंदिर शुरू किया जाएगा।

दिल्ली सरकार के सूत्रों की मानें तो अगले एक महीने में यह तैयार हो जाएंगे। यहां प्राथमिक चिकित्सा की सभी सुविधाएं मिलेंगी। यह आरोग्य मंदिर आयुष्मान भारत योजना के तहत खोले जा रहे हैं। सरकार का कहना है कि अगले एक साल में 1139 आरोग्य मंदिर खोले जाएंगे।

दिल्ली सरकार ने 5 अप्रैल को ही राजधानी में योजना को लेकर केंद्र सरकार के साथ समझौता किया था। उसके बाद 10 अप्रैल को

आयुष्मान योजना के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की बुनियादी संरचना को विकसित करने के लिए एक और समझौता किया है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहले चरण में लगभग 2.35 लाख परिवारों को बीमा दिए जाने की घोषणा की थी। आयुष्मान भारत योजना 27 विशेषज्ञताओं में 1,961 चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए मुफ्त और 'कैशलेस' उपचार प्रदान करती है, जिसमें दवाओं, नैदानिक सेवाओं, अस्पताल में भर्ती होने, आईसीयू देखभाल, सर्जरी और अन्य लागत शामिल हैं।

इस योजना के तहत, दिल्ली में पात्र परिवारों को 10 लाख रुपये तक का वार्षिक स्वास्थ्य कवर मिलेगा, जिसमें से पांच लाख रुपये केंद्र और शेष पांच लाख रुपये दिल्ली सरकार प्रदान करेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि राजधानी में इस योजना के लागू होने से दिल्ली के 6.54 लाख पात्र परिवारों, यानी करीब 30 लाख लोगों को 10 लाख रुपये तक का वार्षिक स्वास्थ्य बीमा मिलेगा।

3 दिन रुके तो हो सकते हैं बीमार, नितिन गडकरी ने दिल्ली के वायु प्रदूषण पर चेताया

नईदिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर इतना ज्यादा है कि शहर में तीन दिन तक रहने से ही इन्फेक्शन हो सकता है। गडकरी ने दिल्ली और मुंबई को प्रदूषण के स्तर को रेड जोन में बताते हुए कहा कि आने वाले समय में वायु और जल प्रदूषण के संबंध में बहुत काम किए जाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, दिल्ली में प्रदूषण बहुत अधिक है। अगर आप तीन दिन दिल्ली में रहते हैं, तो आपको कोई न कोई इन्फेक्शन हो जाएगा। गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम में बताया कि एक मेडिकल स्टडी के अनुसार, दिल्ली का प्रदूषण एक नागरिक के औसत जीवन को 10 वर्ष कम कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ-साथ पर्यावरण संबंधी समस्याओं का समाधान राष्ट्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि नैतिकता, अर्थव्यवस्था,

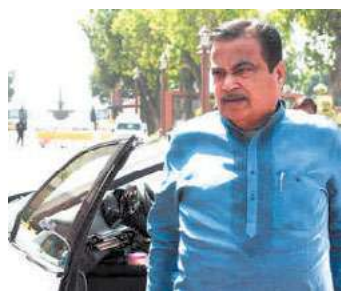

पारिस्थितिकी और पर्यावरण भारतीय समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन हमने पर्यावरण के मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण को दूर करने और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए सड़क विकास एक महत्वपूर्ण रणनीति है। हिन्दुस्तान की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में छह नए वायु गुणवत्ता निगरानी केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। इससे दिल्ली की वायु गुणवत्ता पर ज्यादा नजदीकी से निगाह रखने में मदद मिलेगी।

दिल्ली के जीटीबी एंक्लेव में 20 वर्षीय लड़की की हत्या से हड़कंप

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा जिले के जीटीबी एंक्लेव इलाके में शाहदरा जिला के जीटीबी एंक्लेव इलाके में एक युवती की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही जिले के आलाधिकारी और लोकल पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। युवती की उम्र करीब 20 साल बताई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि युवती को दो गोली लगी हैं। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। शुरुआती जांच में पुलिस आशंका जता रही है कि युवती के किसी जानकारी ने ही इस वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर हर एंगल से जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रतलाम में अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के सातवें अधिवेशन को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद् की बैठक में लिए महत्वपूर्ण निर्णय

अन्नदाता मिशन को दी गई स्वीकृति, सतना में अस्पताल बनेगा

भोपाल (एजेंसी)। डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट बैठक हुई। मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए लगातार काम कर रही है। इसी दिशा में राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में अन्नदाता मिशन को मंजूरी दी गई। किसानों को सशक्त बनाने के लिए मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार उनकी आय बढ़ाने के रास्ते खोज रही है। पशुपालन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। फसल बीमा योजना का लाभ शत-प्रतिशत किसानों को दिलाने के साथ सिंचाई क्षमता में वृद्धि के लिए सरकार ने कार्य योजना बनाई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में अन्नदाता मिशन को दी गई स्वीकृति। किसानों की आय बढ़ाने के लिए किए गए हैं।